

निदेशक भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान इंदौर ने NEH के मणिपुर के इम्फाल ज़िले में केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय तथा जोरहाट, असम स्थित जोरहाट कृषि विश्वविद्यालय का दौरा किया। मणिपुर में उन्होंने राइ एवं सरसों के FLD देखा तथा प्रक्षेत्र दिवस (field day) में guest of honor थीं। उन्होंने किसानों को नयी सोयाबीन की किस्मों की जानकारी दी और Soybean की बीज उपलब्धता के बारे में भी जानकारी दी। प्रक्षेत्र दिवस में पधारे सोयाबीन किसान के साथ संवाद किया, महिला किसानों को कृषि विज्ञान केंद्र सोया उत्पाद दिखाया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ अनुपम मिश्रा कुलपति केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय इम्फाल मणिपुर थे, उन्होंने सोयाबीन के बीज की उपलब्धता के बारे में बताया तथा सोयाबीन को फैलाने में उन्होंने IISR इंदौर के सहयोग के लिए निवेदन किया। शाम के समय एक बैठक DAC के deputy commissioner oilseed और डायरेक्टर रिसर्च CAU इम्फाल के साथ खाने योग्य तेल में आत्मनिर्भर बनने पर चर्चा की।



जोरहाट कृषि विश्वविद्यालय में कुलपति एवं , ADR research, Director Extension, HOD-plant breeding, pathology, entomology, Agronomy, Nutrition, poultry industry owner, AICRP के स्टाफ की उपस्थिति में एक सभा की तथा Soybean को असम में फैलाने हेतु एक प्लान बनाया।





कृषि विज्ञान केंद्र बेगूसराय अपने फार्म पर गर्मी में सोयाबीन उत्पादन के लिए सोयाबीन अनुसंधान संस्थान इंदौर के सहयोग से 109 प्रभेदों का परीक्षण शुरू किया इसका उद्देश्य खरीफ मौसम में बरसात से किसानों को होने वाले नुकसान से बचाया जा सके।

